Durgarchana Gitih

दुर्गार्चनागीतिः

Document Information

Text title : Durgarchana Gitih Sanskrit Song

File name : durgArchanAgItiH.itx

Category : devii, devI, durgA, sanskritgeet

Location : doc_devii

Transliterated by : Deepakshi Kumar

Proofread by : Deepakshi Kumar, NA

Latest update : July 23, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 23, 2021

sanskritdocuments.org

दुर्गार्चनागीतिः

जगदम्ब देवि जय जय! जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ध्रुवम्॥

सुरसङ्घ-पूजनीया त्रैलोक्य-माननीया ।
दुःखौघनाशकर्त्री, जननी जनार्तिहर्त्री ।
दुर्गे दयां प्रदर्शय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ १॥

प्रथमाऽसि "शैलपुत्री" त्वं "ब्रह्मचारिणी" द्वितीया ।
त्वं चारु "चन्द्रघण्टा" संराजिता तृतीया ।
सन्मार्गमिह प्रदर्शय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ २॥

"कूष्माण्डजा" प्रणम्या, ब्रह्मादितोऽप्यगम्या ।
श्री "स्कन्द-मातृ"रूपा, या शक्तिशिवस्वरूपा ।
दुर्दैवमाशु भञ्जय, जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ३॥

"कात्यायनी" भवित्री, दनुजावलीसवित्री ।
त्वं "कालरात्रि"रेषा, दुर्द्धर्ष-भीम-वेषा ।
निज-भक्त-भीरूतां जय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ४॥

"गौरीं" महाप्रसिद्धां, प्रणमन्ति यां सुसिद्धाः।
सा "सिद्धिदात्र्यवित्री", कुशलेष्वलं भवित्री ।
आशां च मेऽत्र पूरय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ५॥

काली करालिनी त्वं, जनलोकपालिनी त्वम् ।
लक्ष्मीसमा गिरा त्वं भक्तेष्वनुग्रहा त्वम् ।
लोकानशेषमीरय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ६॥

दुर्गासि दुर्गहन्त्री क्लेशाद्यविघ्नहन्त्री ।
त्वं हे महासरस्वति, संगृह्यतां स्तवोऽयम् ।
सौभाग्यमत्र कल्पय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ७॥

जननि! "द्विजेन्द्र"-बालः, शरणागतोऽनवद्यः ।

नीराजनां प्रणामान्, चाङ्गीकुरुष्व सद्यः ।
विजयं विधीयतां जय । जगदम्ब देवि! जय जय ॥ ८॥

- श्रीसरयूप्रसादशास्त्री “द्विजेन्द्रः”

Encoded and proofread by Deepakshi Kumar

Durgarchana Gitih

pdf was typeset on July 23, 2021

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*